शैक्षणिक सामग्रीद्वारा विद्यार्थियोंके शुद्धलेखन में सुधार

2009-2010

नवोपक्रम

शुभांगी तानाजी तावरे

कमला निंबकर बालभवन,
फलटण.

परिचय

1 स्पर्धकाचे नाव : शुभांगी तानाजी तावरे

2 पत्ता व फोन : 36, महाराजा कार्यालया जवळ

रिंग रोड, फलटण सातारा

पिन 415523 फोन 222002

3 शाळेचे नाव : कमला निंबकर बालभवन

रिंग रोड, फलटण, सातारा

4 जन्मतारीख : 30-4-1965

5 शैक्षणिक अर्हता : M.H.Sc (बालविकास)

6 शिक्षक म्हणून अनुभव : 1999 पासून

7 नवोपक्रमाचे शीर्षक : "शैक्षणिक सामग्री द्वारा विद्यार्थियों के शुद्धलेखन में सुधार"

8 पृष्ठ संख्या : 38

(प्राथमिक स्तर पर सहभाग)

-:अनुक्रम:-

1	शीर्षक : "शैक्षणिक सामग्री द्वारा विद्यार्थियों के शुद्धलेखन में सुधार"	६
2	मैनें यह विषय क्यों चुना? विषय की तैयारी	८
3	इससे किस प्रकार के बदल अपेक्षित है	१७
4	मेरे उपक्रम की विशेषता क्या है	२०
5	उपक्रम के उद्देश्य	२१
6	मेरे उपक्रम से किसे क्या-क्या साध्य होगा और कैसे	२२
7.	कार्यवाही	२४
8	कार्यवाही के टप्पे व उपक्रम की समय सारणी	३२
9	उपक्रम का नियोजन और शिक्षक कृति	३४
10	विद्यार्थी कृति	३५
11	कार्यवाही में आई समस्या	३५
12	व्याप्ती, मर्यादा	३६
13	मूल्यांकन	३६

* परिशिष्ट - (i) विद्यार्थियों के परीक्षण परीक्षा में प्राप्त गुणों का तुलनात्मक आलेख
  (ii) नमुने के तौर पर गतिविधियों की हल पत्रिका
  (iii) गतिविधी के पाँचों कार्ड्स, समाचार का नमुना (ए)
  (iv) प्रश्नपत्रिकाएँ और उत्तरपत्रिकाएँ की झेरॉक्स (नमूना)

संदर्भ - 1) शिक्षा विमर्श ०९, 2) जीवन शिक्षण - जून २००९, सितंबर, ०९
3) लोकसत्ता समाचार पत्र की कतरन -
4) शिक्षण संक्रमण (सितंबर २००९) प्रो छाया पाटील का लेख)

-: ऋण निर्देश :-

शैक्षणिक क्षेत्र में प्रयोगशील पाठशाला "कमला निंबकर बालभवन, फलटण के कक्षा छठी के विद्यार्थियों की मैं आभारी हूँ जिनके कारण यह नवोपक्रम पूर्ण हुआ।

पाठशाला की संस्थापिका संचालिका डॉ. मॉक्सिन बर्नसन और मुख्याध्यापिका डॉ मंजिरी निंबकर हम शिक्षकों को हमेशा नई-नई प्रेरणा और मार्गदर्शन देते रहती है। यह नवोपक्रम नियोजनबद्ध और योग्य दिशा से हो इसलिए इन्होनें किए मार्गदर्शन के लिए मैं आप दोनों की ऋणी हूँ।

हमारी ग्रंथपाल रजनी काळे, सुषमा काटे और सहशिक्षक, सहशिक्षिकाओं की भी ऋणी हूँ, जिन्होनें समय-समय पर मदद की।

प्रिंटींग विभाग के पवार सर ने दिए सहयोग के लिए मैं ऋणी हूँ।

(शुभांगी तावरे)

-: मनोगत :-

विस्तार सेवा केंद्र, आझाद कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, जिला सातारा व माध्यमिक शिक्षण अधिकारी, जि.प. इनके संयुक्त प्रयत्न से सातारा जिले के शिक्षकों के लिए नवोपक्रम प्रतियोगिता २००८-०९ आयोजित की है।

मैं शुभांगी तानाजी तावरे माध्यमिक शिक्षिका के पद पर १९९९ से कमला निंबकर बालभवन, फलटण में कार्यरत हूँ। हमारी पाठशाला उपक्रमशील पाठशाला के रूप सर्वोत्तोपरिचित हैं।

प्रायोगिक तत्व पर चलनेवाली इस पाठशाला के कक्षा छठी के बच्चों की हिंदी शुद्धलेखन की समस्या आनंददायी और अनेक गतिविधियों की सहायता से हल करने का प्रयत्न किया है। ताकि अध्यापन के प्रति उनकी रूचि बढ़े।

-प्रमाण पत्र-

या शैक्षणिक स्पर्धेसाठी सादर केलेला नवोपक्रम माझ्या स्वतःच्या शैक्षणिक उपक्रमावर, शैक्षणिक अनुभवावर आधारित आहे. हा उपक्रम काल्पनिक नाही. तसेच भारतीय अथवा विदेशी लेखकांच्या ग्रंथातील माहितीच्या आधाराने हा प्रकल्प लिहिलेला नसून या मध्ये मी मला जाणवलेल्या समस्येचा सूक्ष्म अभ्यास करण्याचा प्रयत्न केलेला आहे. तसेच हा उपक्रम इतर कोणत्या ही व्यक्तीकडून लिहून घेऊन तो माझ्या नावावर मी सादर केलेला नाही.

माझा हा नवोपक्रम राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तरावरील अन्य कोणत्याही स्पर्धेसाठी अथवा परीक्षेसाठी या पूर्वी पाठविण्यात आलेला नाही. तसेच सदरहू नवोपक्रम संस्थेच्या, शाळेच्या वा अन्य कोणत्याही प्रकाराच्या संशोधनाशी संबंधित नाही. तसेच कोणत्याही संस्थेला हा नवोपक्रम सादर केला नाही.

शुभांगी तावरे
कमला निंबकर बालभवन, फलटण
जिल्हा - सातारा (महाराष्ट्र)

1. शीर्षक : शैक्षणिक सामग्री द्वारा विद्यार्थियों के शुद्धलेखन में सुधार

प्रस्तावना : मानवीय जीवन में भाषा को एक महत्वपूर्ण स्थान है। भाषा याने बोलना। भाषा में बोलना, लिखना, सोचना, समझना का अंतर्भाव है। अपने विचार मौखिक रूप के साथ-साथ लिखित रूप से व्यक्त करने का साधन है भाषा। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। यह हम सभी को शुद्धरूप में अवगत होना आवश्यक है।

"हिंदी सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोती है।"

राष्ट्रभाषा हिंदी की लिपि देवनागरी है। इसमें कुल मिलाकर 11 स्वर और 37 व्यंजन है।

1. ह्रस्व स्वर : अ, इ, उ, ऋ (इसके उच्चारण के लिए कम समय लगता है।)

२. दीर्घ स्वर : आ, ऊ, ई (इसके उच्चारण के लिए ज्यादा समय लगता है।)

हिंदी विषय को लेखन करते समय कई बार देखा गया है कि उसमें शुद्धलेखन की अनेक गलतियाँ होती है। इस अशुद्धलेखन में अभ्यास द्वारा शुद्ध रूप ला सकते हैं। कक्षा ५ वीं में विद्यार्थी नई हिंदी भाषा सीखने का 'श्रीगणेशा' करते हैं। वैसे दूरदर्शन पर हिंदी कार्यक्रम से वह हिंदी का ज्ञान प्राप्त करता है पर लिखते समय बहुत गलतियाँ होती है।

जैसे - बोलते समय 'बहोत' ऐसा शब्द बोला जाता है पर लिखते समय 'बहुत' ऐसा लिखते है।

अतः लेखन की ओर ध्यान छोटी कक्षा में ही देना आवश्यक है। ताकि अगली कक्षाओं में आसानी हो। इसलिए ठोस उपाय-योजना करना महत्वपूर्ण है।

2. मैंने यह विषय क्यों चुना ? और विषय की तैयारी:

छात्रों की मातृभाषा और लिखने का माध्यम मराठी होने के बावजूद वे लिखते समय कई गलतियाँ करते है फिर उन्हें द्वितीय भाषा शुद्ध रूप में लिखना कठिन लगना स्वाभाविक है। शुद्धलेखन के नियम बताकर, लिखवाकर सहज रूप में ध्यान में नही रखते थे, मात्राओं की गलतियाँ होती थी। कुछ शब्द हिंदी, मराठी में विरुद्ध मात्रा लिए हैं जैसे- शत्रु (मराठी शत्रू) मृत्यु, बधु। परिणामस्वरूप परीक्षण परीक्षा में गुण कम मिलते थे। होमवर्क, स्वाध्याय की कापी में अशुद्ध शब्दों के नीचे रेखा दी जाती, सूचना लिखी जाती थी। साफ-सुथरी लगनेवाली कापी में काँट-छाँट करने से बच्चें दुखी होते थे। पालक भी गुण और स्वाध्याय के नीचे लिखी सूचना पढ़कर चिंतित दिखाई दिए थे इसलिए यह उपक्रम करने का सोचा ताकि सबके मन से घबराहट दूर हो।

छोटी कक्षा में ही शुद्धलेखन का पाया (base)

मजबूत करने की ओर ध्यान देना चाहिए। लेकिन दसवीं कक्षा में आने पर शुद्धलेखन की ओर ज्यादा जोर दिया जाता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विद्यार्थियों को शुद्धलेखन का अभ्यास नीरस लगता है। और यह कहने की बारी आती है कि " अब पछतावत का करै,

जब चिड़ियाँ चुग गई खेत।"

इस कारण शालान्त परीक्षा के हिंदी विषय के परीक्षा-फल पर विपरीत परिणाम होता है। इसके कुछ और भी कारण है :-

1) शुरू में हिंदी विषय बहुत आसान है ऐसा बच्चों को लगता है। वे इस ओर शुरू में विशेष ध्यान नहीं देते हैं।

2) हिंदी शुद्धलेखन, पूरकपठन, व्याकरण की ओर रुचि नही बढ़ाई जाती है।

3) विज्ञान, गणित, अंग्रेजी इन विषयों का डर होता है

इसलिए अभिभावक, छात्र इस ओर ज्यादा ध्यान देते हैं। अतः हिंदी विषय पर शुरू से ज्यादा ध्यान नहीं जाता है।

उपरोक्त कारणों को देखते हुए बालक - पालक की चिंता का निराकरण करना, गलतियों को गौर कर दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहने के लिए यह विषय चुना। दूसरा अशुद्धलेखन से अर्थ का अनर्थ निकल सकता है और सामनेवाले पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए भाषा लेखन में विद्यार्थी का लेखन शुद्धरूप में होना बहुत जरूरी है। शब्दों का सही प्रयोग लिखित अभिव्यक्ति को प्राणवान बना देता है।

काईस, तरुने, रेवेल द्वारा एक भाषा का वातावरण बनता है। जिससे बच्चों को भाषा सरल-सहज लगती है। जब बच्चें शब्दों से खेलते हैं, सोचते है, तो बहुत मजेदार सीखने का काम चलता है।

मेरे उपक्रम के लिए कक्षा छठी के

विद्यार्थियों को जो 11-12 साल आयु समूह के है को लिया क्योंकि कम उम्र में ही उनके लेखन की गलतियों की ओर ध्यान दिया तो वह दीर्घ समय तक दिमाग में पक्के तौर पर स्थायी हो जाती है। दिमाग और हाथ सही उत्तर देते है। गलतियों की आदत पड़ने पर फिर लाख कोशिश की तो भी विद्यार्थियों से शुद्ध, सही लिखने की अपेक्षा करना गलत हो बैठता है। वाक्य में वर्तनी दोष से उसके अर्थ सम्प्रेषण में बाधा पहुँचाती है: जैसे अच्छे कर्म करने से उसे बहुत 'सुख' मिला (यहाँ 'सूख' शब्द के इस्तेमाल से बाधा आयेगी।) अतः प्रेमपूर्वक योग्य मार्गदर्शन, ज्यादा मेहनत ले तो अपेक्षित सकारात्मक बदल दिखाई देगा।

हिंदी में प्रगति के लिए कुछ गतिविधियाँ लेने का सोचा उसका नियोजन किया। उसमें खेल कार्ड्स, पहेली, तख्ते आदि बनाएँ। कक्षा छठी की पाठ्य-

पुस्तक के पाठ 'क्या करें लड्डू', 'बरगद', 'रंगोली' आदि पाठ के कुछ वाक्य लिए, कुछ मन के वाक्य, व ५ परिच्छेद लिए जो विद्यार्थियों से पढ़वाकर तो कुछ देखकर लिखने के लिए थे। उनकी आयु को देखते हुए शब्दों की सूची बनाई साथ ही जून, जुलाई के अध्यापन के दौरान स्वाध्याय और कसौटी परीक्षा (Test जरूर) में कई बार की हुई शब्दों की गलतियाँ भी ध्यान में रखकर सूची बनाई। सूची अनुसार शब्दों का थोड़े दिन अभ्यास कराना फिर भी यदि गलतियाँ हुई तो काफ़ी भी हुई तो भी सभी बच्चों को अलग-अलग गतिविधियों के कार्ड्स, तख्ते समूह अनुसार छुड़ाने देना।

1. एक वचन, बहुवचन का कार्ड = एकवचन शब्द में दीर्घ 'ई' की मात्रा लेकिन जब उस शब्द का बहुवचन किया जाता है, तो दीर्घ मात्रा ह्रस्व में बदल जाती है। उदाहरण - लकड़ी - (बहुवचन में लकड़ियाँ) इन जैसे

शब्दों को ढूँढकर तख्ता बनाना (गाड़ी, रोटी) (कार्ड क्र. 1)

2) एक ही जैसे लगनेवाले शब्द पर अर्थ भिन्न ऐसे शब्दों को अलग-अलग जगह कार्ड पर लिखना। फिर (-ह्रस्व, दीर्घ मात्रा) उच्चारित करते समय शब्द ध्यानपूर्वक सुनकर उसे गोल करवाना। कानों से सुनकर करनेवाली यह क्रिया महत्वपूर्ण होगी। उदाहरणार्थ- दिन-दीन, आदि-आदी, सूखी-सुखी। (कार्ड क्र. 2 संलग्न)

3) मात्रा लगाकर, शब्द तैयार करके, अर्थ लिखकर, वाक्य बनाने के लिए अलग तरीके से श्यामपट पर लिखना क्योंकि कुछ अलग तरीका बच्चों को आकर्षक लगता है और वे उसमें रूची लेते हैं। जैसे - शक्षा (शिक्षा) (कार्ड क्र. 3)

4) कई शब्द मराठी भाषा में इतने पक्के रूप से दिमाग में होते हैं कि हिंदी में वे वैसा ही लिखते हैं जैसे कि हात (हिंदी में हाथ) मृत्यू, शत्रू, वायू (हिंदी में मृत्यु, शत्रु, वायु)

इस समस्या को दूर करने के लिए इन शब्दों का समावेश वाली कविता/परिच्छेद चुनकर कार्ड तैयार करे उसपर से गतिविधियाँ/प्र. हल कराए। (संलग्न कार्ड क्र. 4)

2) **पहेली** : पहेलियों के काईस तैयार करना → (कार्ड 5)
इसमें अलग - अलग चौकान में (बाएँ और दिखाए-
अनुसार) एक -एक वर्ण लिखा। जिनको जोड़कर
अर्थपूर्ण शब्द तैयार हो। जो शब्द तैयार होंगे
उन शब्दों को लेकर उनके समानार्थी अर्थवाले
शब्द लेकर प्रत्येक शब्द का स्वतंत्र वाक्य पहेली
के नीचे लिखना उस शब्द को अधोरेखित
किया। उस अधोरेखित शब्द का समानार्थी
शब्द पहेली से ढूँढने कहना ढूँढे शब्दों को
अलग- अलग मात्राओं के कॉलम अनुसार लिख-
वाना। (मात्राओं में ु, ृ, ि, ी, े) आदि.

क्योंकि विद्यार्थी जो ज्ञान प्राप्त करता
है उसमें से आँखो द्वारा 80%, कान द्वारा 11%
जीभ और त्वचा द्वारा बाकि का ज्ञान प्राप्त करता
है। इस प्रकार आँख और कान द्वारा मिलनेवाला
ज्ञान सबसे अधिक होने से विद्यार्थियों के सामने

इस प्रकार चार्ट, तख्ते, कार्ड्स खेल द्वारा ली, और गतिविधियों के द्वारा ली शिक्षा आनंददायी व आसान होगी।

स्वतंत्ररूप से उपसमूह में काम सौंपे तो वे उत्तरदायित्व अच्छी तरह निभाते है यदि पढ़ाई में कमजोर बच्चों को यदि व्यक्तिगत रूप से काम करने कहा तो वे डरे होते है इसलिए आत्मविश्वास से उपसमूह में वे काम करेंगे तो काम मन लगाकर होगा। अतः उपसमूह बनाए।

६) वाचनालय से सूची में आए प्रत्येक शब्द का अंग्रेजी शब्द अपनी जानकारी के लिए लिखकर याद करना वक्त आनेपर छात्रों को अंग्रेजी शब्द बताते हुए अर्थ स्पष्ट करना जैसे दिन= day, दीन - Poor आदि।

) हिंदी परिच्छेद का चुनाव - वाचनालय से कहानी की किताब से उपसमूह ने एक-एक परिच्छेद का

चुनाव कर मात्राओं अनुसार कॉलम में लिखवाना।

८) प्रत्येक उपसमूह को २०-२० शब्द देकर उनका अभ्यास करने कहना फिर प्रत्येक उपसमूह का क्रमांक श्यामपट पर लिखकर कॉलम करना। एक समूह ने दूसरे समूह के बच्चों से बारी-बारी से उन्हें दिए २० शब्दों में से एक-एक लिखने कहना। अंत में जिस समूह ने ज्यादा सही शब्द लिखे वह समूह को शाबासी देना और अन्यों को और तैयारी से अगली बार के खेल में उतरने कहना। फिर से स्पर्धा रखना।

९) फरशी पर खेल –

कॉलम अ →

क्योंकि	बहुत
इसलिए	यदि
लेकिन	फूल
परंतु	परीक्षा

कॉलम ब →

क्योंकि	क्योंकी
इसिलीये	इसलिए
लेकीन	लेकिन
परंतु	परंतू

फरशी पर कॉलम 'अ' अनुसार शब्द लिखे एक-एक बच्चे को उसमें लिखा शब्द पढ़ते हुए जाने कहा फिर 'ब' कॉलम में सही शब्दों को ही दोहराते हुए उस कॉलम में ही कूदते या लंगड़ी करते हुए जाना होता है। जो गलतियाँ करते हैं उन्हें फिर अवसर देते हुए मार्गदर्शन किया।

3. इससे किस प्रकार के बदल अपेक्षित है -

समूह में स्वंकृति से, खेल, पहेली द्वारा ली शिक्षा मनोरंजक, उत्साहवर्धक होगी। सहपाठियों के साथ मिल-जुलकर कृति करने से मदद करने की वृत्ति बढ़ेगी, आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। समूह कार्य होने से होशियार, लिखने में जिनकी गति ज्यादा है ऐसे बच्चें कमजोर व लिखने में पीछे पड़नेवालों के लिए रुकेंगे। अपने समूह का काम ज्यादा अच्छा हो, प्रशंसनीय हो इसलिए होशियार बच्चें कच्चे बच्चों को काम साफ-सुथरा, सुंदर हो इसके लिए मार्गदर्शन करेंगे, प्रोत्साहन देंगे।

इस उपक्रम के अनुसार शुद्धलेखन लेने से सिर्फ शिक्षक ने बोलना, नियम सिखाना और बच्चों ने याद करना, भूलना, डाँट खाना, शांत बैठकर सुनना इस प्रकार की शिक्षा पद्धति न

होकर इस उपक्रम के तहत पढ़ाने से शिक्षक के साथ विद्यार्थी भी सहभागी होंगे। जो बोलने में संकोचीवृत्ती के है वे भी अपनी बारी आने पर बोलने का प्रयास करेंगे। अपने शब्द का वाक्य विचारपूर्वक बनाना पड़ेगा। अपना वाक्य सही है या नही यह जॉचने के लिए वह अपने समूह के दूसरे सहपाठी से मदद माँगेगा हीव विचारविर्मश करेगा। जिम्मेदारीपूर्ण काम करनेवाले विद्यार्थी तैयार होंगे।

मदद, सहकारवृत्ती, बौद्धिक व मानसिक क्षमता बढ़ेगी। दूसरे समूह से अपने समूह की तुलना करेंगे। अपने समूह में एकाद बच्चें की गलतियों के कारण समूह को शायद ही शाबाशी मिलेगी ऐसी शंका आने पर वे उस बच्चें की गलतियों को समझाकर या नाराज होकर ही क्यों ना हो सुधारने के लिए प्रयत्न

-शील रहेंगे। इस प्रकार बच्चों में आमूलाग्र परिवर्तन होगा। सिर्फ रोज शुद्धलेखन लिखकर लाओ यदि नहीं लिखा तो शिक्षक-पालक की डाँट खाओ। वही पुराना घिसा-पीटा साचेबद्ध पैटर्न से, नीरस अध्ययन-अध्यापन से छुटकारा पायेंगे। मनोरंजक रूप से किया काम मन में दीर्घकाल तक बसेगा। दिमाग और हाथ दोनों एक साथ शुद्ध मात्रा का ही उपयोग करने के लिए विश्वासपूर्ण बढ़कर लिखेंगे।

4 मेरे उपक्रम की विशेषता क्या है ?-

शुद्धलेखन, व्याकरण यह भाषा की आधारशिला है। इसके अध्ययन के समय नीरसता या अनावश्यक बोझ बच्चों को नही लगेगा। समूह में दिलसे काम करेंगे। कार्ड्स हल करते समय मिल-जुलकर, सलाह-मसलत करते हुए काम होगा। वाचनालय से हिंदी कहानियों की किताबें, शब्दकोष की मदद लेते दिखाई देंगे। खेल कार्ड्स, पहेली का आनंद होगा। समूह का काम अनुशासनपूर्वक अच्छा हो इस ओर सभी प्रयत्नशील होकर परिश्रम लेंगे।

कठिन लगनेवाले भाग को हमेशा के घीसे-पीटे प्रकार से कुछ हटकर सिखाने से कच्चे बच्चों से लेकर होशियार बच्चों का उत्साहपूर्ण सहभाग और अनुशासनपूर्वक व जिम्मेदारी से कृतियुक्त अध्ययन को मग्न होकर करेंगे

किए काम के फलस्वरूप हुई प्रगति इस उपक्रम की विशेषता है।

5 <u>उपक्रम के उद्देश्य :-</u>

1. विद्यार्थियों में शुद्धलेखन के प्रति रूचि बढ़ाना।
2. विद्यार्थियों में होनेवाली हिंदी लेखन में गलतियों के कारणों का पता लगाना।
3. शुद्धलेखन के प्रति डर, निरूत्साह दूर करना।
4. शुद्धलेखन के समय-समय पर नियम याद दिलाना और गलतियों पर उपाय योजना करना।
5. हिंदी लेखन कौशल्य विकसित करना।
6. शब्द, वाक्य का योग्य वाचन कराकर शब्दों को मराठी, अंग्रेजी में अनुवाद कर बताना।
7. दो एक जैसे लगने वाले शब्दों में भेद स्पष्ट कराने के लिए वाक्य बनाने कहना।
8. राष्ट्रभाषा के प्रति प्रेम बढ़ाना।
9. स्वतंत्र और आनंददायी वातावरण रख प्रोत्साहन देना।

10) शुद्धलेखन में सुधार लाने के लिए किए गए शैक्षणिक साहित्य की परिणामकारकता का अध्ययन करना।

6 मेरे उपक्रम से किसे क्या-क्या साध्य होगा और कैसे :-

मेरे इस उपक्रम के लिए कक्षा छठी के विद्यार्थी है। पाँचवी से लेकर १० वीं तक के विद्यार्थियों को इससे लाभ होगा -चाहे वे शरारती, शर्मिले, पढ़ाई में कच्चे, अनुशासनहीन हो। इसके साथ ही होशियार बच्चों (प्रगतशील) को भी यह मार्गदर्शक रहेगा।

शरारती बच्चें या जिनका मन चंचल, पढ़ाई में नही लगता, जो शिक्षक पढ़ाते समय स्थिर (ध्यान नही देते) नही रखते ऐसे बच्चों को गतिविधियाँ हल करते समय मजा आएगा या फिर समूह में काम पूरा करना है इसलिए वे प्रयत्न करेंगे ही। पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त इस प्रकार के काम में उन्हें मजा आता है।

हमेशा नाक की सीध में चलनेवाले पैटर्न से हटकर (पारंपरिक पद्धति से हटकर) अपने बच्चों की कलानुसार, मानसिकतानुसार अभ्यास को प्रोत्साहन देनेवाले पालक भी खुश होंगे।

पढ़ाई में पिछड़े, मध्यम स्तर से लेकर प्रज्ञावान विद्यार्थियों को इस पद्धति से शुद्ध-लेखन का अभ्यास करने दिया तो उनमें निश्चित ही शुद्धलेखन के साथ-साथ अन्य भाषा विषयों में प्रगति दिखेगी। उदाहरणार्थ : 'परीक्षा' शब्द लिखते समय अधिकतर बच्चें 'परिक्षा' ऐसा लिखते है जब उन्हें सही शब्द 'परीक्षा' बताया तो कुछ बच्चों का कहना था कि मराठी में पहली (बेलांटी) (वर्तनी) 'इ' की मात्रा होती है क्या? तब उन्हें बताया दोनों में दीर्घ मात्रा है। ऐसे ही 'दिन', 'दीन' शब्द 'Day', Poor द्वारा समझाए।

इसके साथ बच्चों की एकाग्रता भी बढ़ेगी।

क्योंकि समूह में जब एक छात्र वाक्य बोलेगा तो वह सभी ने ध्यानपूर्वक सुनकर अपनी-अपनी कॉपी में लिखना होता है। अपनी बारी आने पर भी शब्द को लेकर वाक्य बनाकर बताना होता है।

परिच्छेद में आए शब्दों का अर्थ समझाते समय यदि एकाद अर्थ नही आया तो वह शब्दकोष से ढूँढने का काम करेंगे। इस तरह अनेक शब्दों पर उनका ध्यान जाएँगा जो निश्चित ही लाभ-दायी होगा।

7. <u>कार्यवाही</u> :- यह उपक्रम शुरू करने से पहले मुख्याध्यापिका को इसकी जानकारी दी। अपना चुना हुआ विषय बताया और उपक्रम के लिए कक्षा छठी का चुनाव किया है। उपक्रम किस तरह से क्रियान्वित करूँगी इस पर चर्चा की और उनकी अनुमति ली। खेल कार्ड्स, तख्ते, पहेली कार्ड्स का कच्चा स्वरूप दिखाया। ग्रंथालय से लगनेवाली पूरक किताबें, शब्दकोष, परीक्षण परीक्षा के लिए

लगनेवाले कागज , टेप आदि के लिए भी अनुमति माँगी, अभिभावकों से भी चर्चा की।

जून में ली पूर्व परीक्षण परीक्षा के गुण को ध्यान में रख ६-६ बच्चों के ५ समूह बनाए। समूह बनाते समय प्रत्येक समूह में ३-३ हिंदी में कच्चे बच्चे लिए। कौन- कौन सी गतिविधियाँ लेनी है उसकी सूची इस प्रकार बनाई :-

१. वाचनालय से कहानी की किताबें - ईदगाह, चकमक, इंद्रधनुष से एक-एक परिच्छेद लेकर पढ़कर उसमें आए शब्दों को नीचे दिए कॉलम अनुसार लिखवाना :

उदाहरण

क्र.	f	ी	ु	ू	े
१	किरण	सीखना	सुबह	फूल	बेकाबू
२					
३					

२. खेल कार्डस , पहेली कार्ड , शब्द कार्ड बनाना :
३. टेप की गई खबरें (समाचार) सुनाना :
४. श्यामपट पर लेने वाले खेल का नियोजन पत्र :
५. विरुद्धार्थी , समानार्थी शब्दों की अंताक्षरी :

प्रत्येक समूह को क्रमांक (१ से ५ तक) अलग-अलग

क्रमांक दिए। समूह में कार्ड बाँटे। प्रत्येक समूह के किसी एक ने उस कार्ड पर लिखी सूचना और शब्द पढ़कर अपने ही समूह के सदस्यों को सुनाना। फिर उस पर काम करना। उदाहरणार्थ- समूह क्रमांक १ शब्द कार्ड हल कर रहा है, तो पहला विद्यार्थी शुरू का शब्द पढ़कर उसका अर्थ बताते हुए वाक्य बनायेगा। उसी समूह के बाकी ५ विद्यार्थी उस वाक्य, अर्थ को सुनेंगे। कुछ गलत लगा तो विचार-विमर्श करेंगे फिर लगा कि वाक्य सही है तो सभी अपनी-अपनी कापी में लिखेंगे। उसी प्रकार इसी समूह (क्रमांक १) का दूसरा विद्यार्थी उसी कार्ड (क्रमांक १) का दूसरा शब्द, उस शब्द का अर्थ बताएगा। अर्थ के बाद वाक्य यदि वाक्य से सभी सहमत है, तो वह वाक्य उसी समूह के छहों विद्यार्थी अपनी कापी में लिख लेंगे। इस तरह समूह के सभी विद्यार्थी कार्ड के सभी शब्दों को, वाक्यों को लिखने पर मेरी सूचना अनुसार

कक्षा में सभी के सामने प्रस्तुतीकरण करते जिसमें उस समूह ने क्या काम किया और कैसे किया कौन-से शब्द कठिन लगे आदि बताया जाता।

अब दूसरा कार्ड लेकर उसी प्रकार काम किया जाता। अपने समूह का काम होने पर वह दूसरे समूह से या ज्यादा बनाए दूसरे कार्ड से अदला-बदल करते। इस तरह प्रत्येक समूह पाँचो कार्ड और मात्राओं का कॉलम छुडाएँगा। पढ़ाई में कच्चे, लिखने की गति जिनकी धीमी है उनके लिए बाकी सदस्यों ने रूकना, उन्हें मौखिक उच्चार करके वाक्य बनाने में मदद करते साथ ही समूह में आपस में गलतियों की जाँच करते दिखाई दिए। आमतौर पर उपयोगी पड़ने वाले शब्दों को आनंददायी, सहज रूप में याद रख सके इस ओर ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक साहित्य का सुंदर उपयोग हो रहा था। एक बच्चा यदि समूह में ज्यादा पीछे पड़ गया तो समूह का काम देर से होगा इसलिए समूह का प्रत्येक बच्चा मग्न होकर कार्यरत था।

समूह का प्रत्येक बच्चा मग्न होकर कार्यरत था। दसवीं कक्षा में भी बच्चों की 'हाथ', 'फूल', 'पानी', बहुत, 'ज्यादा', आदि जैसे शब्दों की गलतियाँ अनजाने में करते हैं इसलिए कई ऐसे परिच्छेद तैयार किए जिनमें ये शब्द हो और वे अनेक प्रश्न तैयार कर छुड़ाने दिए। (मराठी में 'हात', फुल, पाणी होता है इसलिए हिंदी में ये गलतियाँ होती थी) कार्ड २ और ५ देकर अभ्यास कराया।

(कार्ड 6) अंक्षाक्षरी कार्ड आने पर एक पहला शब्द लिखकर उसी अक्षर के दस अपने मन के शब्द भी लिखकर आगे के बच्चे को देगा। उसने भी पहले बच्चे के शब्द का आखरी अक्षर लेकर कार्ड से (5 सेकंद का समय) शब्द चुनकर कापी में लिखना व एक उसी अक्षर का मन के० शब्द। इस तरह कार्ड बढ़ाना। चुने शब्द को कार्ड पर गोल करना। (पहला शब्द लिखकर कार्ड बढ़ाकर बाकी के 10 शब्द लिखना)

कार्ड 3 घड़े की आकृति में शब्द लिखाना फिर शिक्षकने उच्चारित शब्द बच्चों से भी कराकर बाहर के गोले में लिखवाना। एकाद शब्द का अर्थ नही आया तो (जैसे- हस्ताक्षर = मराठी में लिखावट पर) वह शब्द
हिंदी में सही Signature

शब्दकोष से
में ढूँढकर लाने कहा गया। प्रस्तुतीकरण कराया।

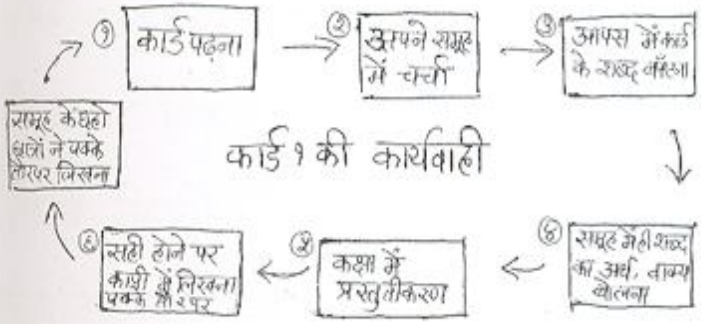

इस प्रक्रिया में एक शब्द ४-५ बार बोला, सुना जाता है। बच्चों को बार-बार यदि कहा कि तुम्हारा वाक्य हरबा गलत हो रहा है, तो वह निराश होगा इसलिए उस समूह को उस गलत शब्द वाले वाक्य को ग्रंथालय से कहानी की किताब से ढूँढकर लाने कहा।

NCRT के सेवानिवृत्त कार्यवाहक निदेशक व शिक्षा सलाहकार प्रो. जलालुद्दीन जी के अनुसार चित्रकला में बच्चे से सूर्य में हरा रंग क्यों भरा? ऐसा पूछने पर वह जो भी कहते है तो हम बहुत अच्छा कहकर उसकी कल्पना अभिव्यक्ति को पूरी छूट देते है लेकिन जब वह लिखते है तब हम कहते है शब्द का अर्थ गलत, वाक्य रचना तो

कुछ समझ में ही नही आ रही है। वह वहाँ जो कहना चाह रहा है यदि हम उसे कहने दे तो ऐसे बच्चों ने बहुत विकास किया है। जिन्हें डाँट-डाँटकर पढ़ाया तो वे लिखने, बोलने में संकोच करते है। इन परिस्थितियों को बदलना चाहिए। इसलिए स्वतंत्र पठन, लेखन, गतिविधियों के कालांश होने चाहिए।"

(शिक्षा विमर्श)

उपक्रम के इस कार्य में प्रत्येक बच्चा समूह में आत्मविश्वासपूर्वक मिलजुलकर काम करते देखा गया। इस पूरे समय में ५०० से ५२० वाक्य तैयार हुए जिसमें कुछ लिखित कुछ मौखिक रूप में थे।

2. वाक्य प्रस्तुतीकरण के समय एक समूह का एक-एक विद्यार्थी आएगा वाक्य (जो उसने बनाया था।) बोलेगा उदाहरणार्थ - 'मुझे गुड़िया खरीदनी है।' तो दूसरे समूह का कोई भी विद्यार्थी उससे इसी वाक्य के प्रश्नार्थक वाक्य बनाकर पूछेगा - "तुम्हें गुड़िया क्यों खरीदनी है?

पहला - क्योंकि मुझे गुड़ियाँ पाठशाला ले जानी है इसलिए गुड़िया खरीदनी है।"

इस प्रकार लिया अध्यापन कार्य मनोरंजक, प्रभावशाली, ज्ञानवर्धक और दीर्घकाल तक याद रहेगा। विद्यार्थी को हलचल करने मिलेगी। दोपहर २ बजे के समाचार तैयार किए। समय-समय पर सुनाएँ चर्चा की। समाचार में चुने शब्दों को लिया था।

प्रत्येक समूह को १५ अलग-अलग शब्दों की सूची दी। वह प्रत्येक ने पढ़ना, याद रखना। फिर श्यामपट पर हर समूह के क्रमांक के कॉलम किए समूह क्रमांक लिखा। एक समूह के एक-एक करके विद्यार्थी बुलाकर दूसरे समूह ने उनको दीवाई सूची अनुसार शब्द बोलना और प्रत्येक विद्यार्थी ने क्रमानुसार वह शब्द लिखने। फिर दूसरे क्रमांक के समूह को इस प्रकार प्रत्येक समूह के कॉलम अनुसार शब्द लिखे। मूल्यांकन कर जिसके ज्यादा गुण उसे शाबासी। बाकी समूह की फिर दोबारा खेल लेना पर देखा गया कि दूसरी फेरी तक सभी विद्यार्थी करीब-करीब सही ही लिखते थे। इस तरह उनका गुणात्मक दर्जा बढ़ा। अंत में लिखित १० गुणों की परीक्षण परीक्षा ली जिसमें १० वाक्य दिए

प्रत्येक सही वाक्य लिखने पर १ गुण दिया।

7) कार्यवाही के टप्पे :- मेरी पाठशाला में हिंदी विषय के लिए कक्षा में ४५ मिनट का घंटा (कालांश) मिलता है। यह सप्ताह में ३ दिन। उपक्रम के लिए जिसमें कई गतिविधियाँ करानी थी शनिवार के दिन आधी छुट्टी होने पर आधा घंटा ज्यादा रूककर नियोजन किया। ग्रंथालय से ग्रंथपाल को बताया कि १½ महीना बच्चों को कहानी की किताब और शब्दकोष पाठशाला के ही समय में बार-बार लगेगा इस बारे में सहमति ली। पाठशाला भरते समय ५५ मिनट बच्चों को जल्दी बुलाकर सूचना, मार्गदर्शन किया जाता कि आगे क्या करना है? कल का काम किस तरह आगे बढ़ाना है आदि।

8) उपक्रम की समय-सारणी :- यह उपक्रम शैक्षणिक वर्ष 2006-07 के प्रथम सत्र में लिया। इसके लिए १½ महीने की कालावधी लगी। जो निम्नलिखित रूप से

कार्यवाही की समय-तालिका

29-7-09 से 16-9-09 कालावधी :-

क्र.	कालावधी	कार्य की विवरण
I.	29-7 से 1-8-09	विद्यार्थियों से चर्चा, नियोजन, उपक्रम की सहमति, परीक्षण परीक्षा
II	3 से 5-8-09	सामग्री निर्मिती, शब्द लेखन
III	7 से 28-8-09	शुद्धलेखन के नियम, गतिविधियों के कार्ड्स की कार्यवाही
IV	29-8 से 10-9-09	अधूरा काम पूरा, चर्चा, रिवीजन, श्यामपट के खेल, प्रस्तुतीकरण
V	11 से 15-9-09	हिंदी दिन पर चर्चा, खेल, मौखिक परीक्षण परीक्षा, समाचार तैयार करना
VI	16-9-09	लिखित परीक्षण (कसौटी) परीक्षा

उपरोक्त कालावधी में सप्ताह में 3 दिन (44 मिनट का एक कालांश) और 2 शनिवार को पाठशाला छूटने पर 3:15 से 4 उपक्रम के लिए समय लिया व वार्षिक नियोजन अनुसार पाठ्यक्रम भी 29-7-09 से 16-9-09 तक 24 घंटे (तासिका) लगे जिसमें से 20 घंटे उपक्रम के लिए रखे। शनिवार का 1½ घंटा

अधूरा काम पूरा करने के लिए ।

1) २ परीक्षण परीक्षा - २ घंटे

2) वाचनालय से कहानी परिच्छेद ढूँढना - १ घंटा

3) समाचार सुनाना, चर्चा - २ घंटे

4) प्रस्तुतीकरण - २ घंटे

4 उपक्रम का नियोजन और शिक्षक कृती :-

1. इस उपक्रम के बारें में मुख्याध्यापिका को प्राथमिक जानकारी दी । अनुमति ली ।

2. छठी के विद्यार्थियों से चर्चा कर जानकारी दी ।

3. अभिभावकों को इस बारें में कल्पना देने कहा ।

4. ग्रंथपाल से संभाव्य किताबें जैसे - शब्दकोष आदि स्टेप के बारें में सहमति ली ।

5. उपक्रम चालू रहते समय (गतिविधियाँ) विद्यार्थी जो सहभागी है वे शोर न मचाएँ इस ओर सचेत रहना

6. १ से ५ क्रमांक के कार्ड बारी - बारी से बाँटना जहाँ कठिनाई हो वहाँ मदद करना ।

7. पढ़ाई में पीछे पड़े छात्रों को प्रोत्साहन देना ।

के बोल महत्वपूर्ण है - "राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है।"

अतः अपने देश के भविष्य इन विद्यार्थियों को कम उम्र में निर्धारित समय पर ही उनकी समस्या का तनावरहित निवारण करना है। तो ही सकारात्मक प्रभाव होगा। किसी ने ठीक ही कहा है :

"निर्धारित समय पर अच्छा काम
जीवन में सफलता महान।"

---

*

संदर्भ : शिक्षा विमर्श - सितंबर-अक्टूबर-2007
(प्रो. जलालुद्दीन की मुलाकात)
जीवन शिक्षण -
लोकसत्ता समाचार पत्र - राष्ट्रीय ऐक्य व हिंदी
(प्रा. डॉ सुभाष तलेकर का लेख)
2000 - 2001
शिक्षण संक्रमण - सितंबर 2009
(प्रो. छाया पाटील का लेख)

परिशिष्ट

१) छात्रों के नामों की सूची — १
२) पूर्व कसौटी परीक्षा की प्रश्न-पत्रिका — २
३) पूर्व कसौटी परीक्षा के प्राप्तांक की सूची — ३
४) उत्तर कसौटी परीक्षा की प्र. पत्रिका — ४
५) विद्यार्थियों ने छुड़ाई उत्तर पत्रिका नमूना — ५
६) विद्यार्थियों ने छुड़ाए कार्ड्स गतिविधियों के नमूने — ६
७) उत्तर कसौटी परीक्षा की उत्तर पत्रिका नमूना — ७
८) प्राप्तांको की सूची — ८
९) विभिन्न कार्ड्स का नमूना — ९
१०) प्राप्तांको का तुलनात्मक आलेख — १०

10 विद्यार्थी कृति :-

१. अपना उपक्रम समझकर अनुशासनपूर्वक शिक्षक ने दी सूचना समझना ।

२. आपस में चर्चा, समूह में सभी से मिलजुल काम करना। जहाँ शंका हो वहाँ निवाकरण का प्रयत्न करना।

३. कहानी का परिच्छेद लिखना। ध्यानपूर्वक समाचार सुनना

४. गतिविधी कार्ड्स सावधानीपूर्वक प्रयोग में लाना।

11 कार्यवाही में आयी समस्या और उसका निवारण :-

समूहों में शोर न हो इसलिए सतर्क रहना पड़ता था। यदि एकाद समूह का काम जल्दी होता तो उस समूह को खेल कार्ड (समानार्थी, विरूद्धार्थी के) देकर व्यस्त रखा। ताकि वे पूरे समय क्रियाशील व मग्न रहे। कभी आपस में वाक्य बनाते समय मतभेद होते थे तो शोर बढ़ता था दूसरों को काम में व्यवधान लगता था वहाँ मुझे हस्तक्षेप कर मार्गदर्शन करना पड़ता था। कच्चे बच्चों की प्रगति का लेखा-जोखा रख उन्हें प्रोत्साहन देकर कोशिश करने कहा। बाकी को खेल कार्ड में व्यस्त

12) व्याप्ती, मर्यादा - इस उपक्रम के लिए सातारा जिले की फलटण तहसील में स्थित प्रायोगिक पाठशाला 'कमला निंबकर बालभवन' इस पाठशाला के कक्षा छठी के 30 विद्यार्थी लिए।

2) नवोपक्रम के लिए घटक महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा चयनित पाठ्यक्रम का व्याकरण विभाग में शुद्धलेखन यह भाग।

3) दो लिखित परीक्षण परीक्षा लेकर मूल्यांकन व तुलना।

13. मूल्यांकन :- बच्चों की निरन्तरता में भी व्यवधान रहा है। इसका प्रभाव भी बच्चों की प्रगति पर पड़ा है। 30 में से 2 बच्चें उसी स्तर (थोडा ही) पर रहे। (रोल न. 5 और 9 का) बाकी के अपने पूर्व स्तर से आगे बढ़े। कुछ तो बहुवचन के शब्द बिलकुल सही लिखने लगे। 100% उपस्थित रहने वाले बच्चों की प्रगति 80% रही।

इस उपक्रम में 30 विद्यार्थी थे।

अध्ययन के पश्चात बच्चों की (पूर्व परीक्षण परीक्षा और उत्तर परीक्षण (Post Test) परीक्षा के गुणों की प्रगति को

तुलनात्मक अध्ययन करके ग्राफ में देखा जा सकता है। ग्राफ से यह स्पष्ट है कि पूरे काम में बच्चों के शुद्ध-लेखन के स्तर में हुई प्रगति का औसत प्रतिशत 80% रहा।

पूर्व परीक्षण परीक्षा	प्रयोग उपक्रम →	उत्तर परीक्षण परीक्षा	=	निष्कर्ष

बीच-बीच में २ मौखिक परीक्षण परीक्षा भी लेने से उत्तर परीक्षण परीक्षा में बच्चें विश्वासपूर्ण परीक्षा देते दिखे सकारात्मक प्रभाव दिखा। भाषाई समस्या को हल करने के लिए एक ऐसा वातावरण बनाना है ऐसी शैक्षणिक सामग्री देकर गतिविधियों मे रत करना है कि वह आनंद लेते हुए सीखे और हमेशा के नियमों, किताबों (व्याकरण से हटकर. कुछ करने का आनंद ले सके। जो इस उपक्रम के तहत बच्चों ने मन से लिया।

अतः जिस तरह राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रगीत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक है उसी तरह राष्ट्रभाषा भी राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है हम सबको उसकी शुद्धता, समृद्धि के लिए प्रयत्न करना चाहिए। इसलिए महात्मा गांधी

परिशिष्ट - 2
" = 4

कमला निंबकर बालभवन
कक्षा - छठी (हिंदी)
प्रश्नपत्रिका - 2009-10
(पूर्व व उत्तर कसौटी परीक्षा की प्र. पत्रिका)

प्र.1अ) उच्चारित किए हुए शब्द ध्यानपूर्वक सुनिए और लिखिए (कोई भी 15) (15)

1) निम्नलिखित
2 चाहिए
3 क्योंकि
4 इसलिए
5 दीजिए
6 परंतु
7 लेकिन
8) नहीं
9) फूल
10) सुंदर
11) बैठिए
12) नीचे
13) दूं
14) कीजिए
15) बहुत
16) दूर

प्र.2 वाक्य सुनकर लिखिए : (5)

1. आज मेरी परीक्षा है।
2) मुझे लड्डू पसंद है।
3) मैंने फूलों के पौधे लगाए।
4) मैंने कहानी की किताब पूरी पढ़ी
5) मेरी मित्र बहुत अच्छा है।

कक्षा ६ वी–नवोपक्रम में सहभागी विद्यार्थी

अ.क्र.	विद्यार्थियों के नाम	प्री-टेस्ट गुण	पोस्ट-टेस्ट गुण
१.	अभंग शिवतेज विजय	08	14
२.	अवघडे सुप्रिया पोपट	04	10
३.	आडकर वैष्णवी श्रिकांत	06	13
४.	कांबळे शिवांजली श्रिकांत	14	20
५.	कांबळे ऋषिकेश संजय	05	06
६.	खरात पुरूषोत्तम अविनाष	09	15
७.	गानबोटे सायली गिलींद	13	18
८.	गायकवाड विराज पंकज	06	12
९.	गिते अश्विनी मधुकर	04	05
१०.	गुंजवटे कमलेश दिपक	08	17
११.	गुंडगे विपूल विवेक	12	16
१२.	गोडसे पियुष विष्णू	08	14
१३.	घाटगे नेहा रमेश	07	13
१४.	जाधव रोहन महादेव	14	17
१५.	झेंडे प्रज्ञा जालिंदर	09	17
१६.	तेली सौरभ संजय	08	13
१७.	तेली ऐश्वर्या राजेंद्र	10	16
१८.	थोरात प्रियदर्शनी भगवान	12	17
१९.	निंबाळकर पृथ्वीराज रविंद्र	06	12
२०.	निंबाळकर शंतनू पुरूषोत्तम	08	10
२१.	पठाण सिमरण सादीक	06	16
२२.	पाटील हर्षवर्धन सुनिल	11	18
२३.	पात्रेकर केदार रविचंद्र	13	18
२४.	बनकर ऋषिकेश महादेव	15	20
२५.	मोरे प्रतिक विक्रम	12	19
२६.	रानडे ईशान रविंद्र	13	19
२७.	सांगळे उन्नत संजय	09	14
२८.	स्वामी प्रथमेश विवेक	07	18
२९.	हेंद्रे वैष्णवी मदन	13	19
३०.	वाळा निखिल हिरालाल	15	18

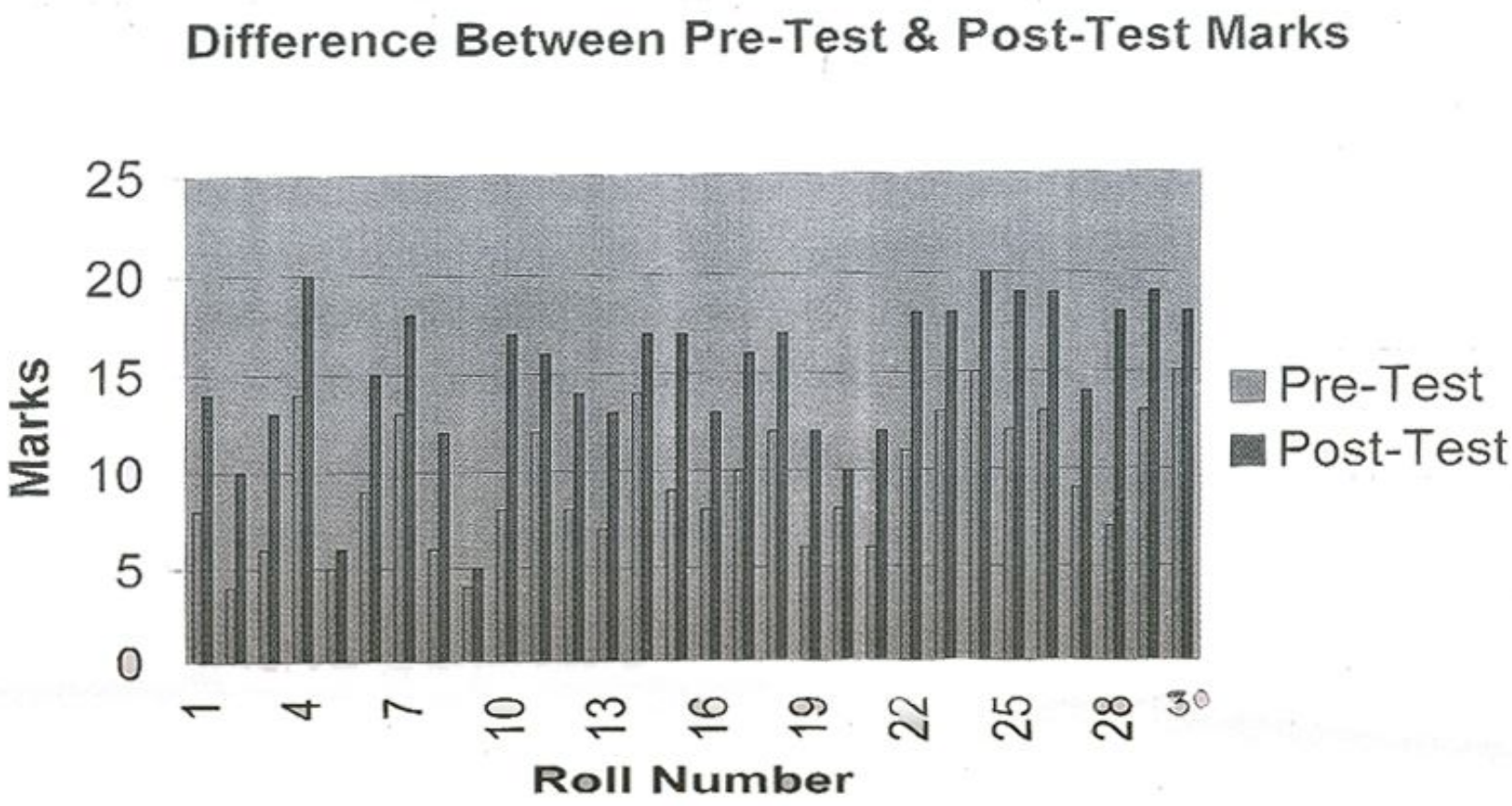
Difference Between Pre-Test & Post-Test Marks
Marks
25
20
15
10
5
0
1
4
7
10
13
16
19
22
25
28
30
Roll Number
Pre-Test
Post-Test

पूर्व कसौटी परीक्षा

परिशिष्ट- ५

13/20

09×4/15×5

कक्षा- छठी नाम- ईशान रविंद्र रानडे

विषय- हिंदी टेस्ट

पाठशाला का नाम- कमला निंबकर बाल भवन

प्र.1 उच्चारित किए हुए शब्द लिखिए :-

1) चाहिए

2) क्यों की

3) इसलिए

4) दीजिए

5) लेकीन

6) परंतु

7) फुल

8) सुंदर

9) बैठीए

10) निचे

11) नही

12) हूँ

13) नीम्न लीखित

14) किजीए

15) बहुत

16 दूर

प्र.2 वाक्य लिखीए

1 → आज मेरी परीक्षा है।

1 → मुझे लड्डू पसंद है।

½ → मैंने फूलों के पौदे लगाए हैं।

1 → मैंने कहानी किताब पूरी पढ़ी है।

½ → मेरा मित्र बहुत अच्छा है।

⑥ 14/15 × 5/5 = 19/20

ईशान रविंद्र रानडे
कक्षा - छठी

उत्तर कसौटी परीक्षा

प्र। उच्चारित किया हुआ शब्द लिखिए

1) धाहिए
2) क्योंकि
3) इसलिए
4) दीजिए
5) लेकिन
6) परंतु
7) फूल
8) सुंदर
9) बैठिए
10) नीचे
11) नहीं
12) हूँ
13) निम्नलिखित
14) कीजिए
15) बहुत
16) दूर

(2)

पूर्व कसौटी परीक्षा.

परिशिष्ट-1

13/20

09×4 / 15×5 =

कक्षा- छठी नाम → ईशान रविंद्र रानडे

विषय → हिंदी टेस्ट

पाठशाला का नाम → कमल निंबकर बाल भवन

प्र.1 उच्चारित किया हुआ शब्द लिखिए :—

1) चाहिए

2) क्यों की

3) इसलिए

4) दीजिए

5) लेकीन

6) परंतु

7) फुल

8) सुंदर

9) ~~बैठीए~~

10) निचे

11) नही

12) हूँ

13) नीम्न लीखित

14) किजीए

15) बहुत

16 दूर

नाम - ईशान .र. रानडे
कक्षा - छठी
पाठशाला - कमलानिंबकर बालभवन

गतिविधियाँ - परिशिष्ट - 6)

* दिया हुआ चक्र का उपयोग करके शब्दोंके समानार्थी, विरूध्यार्थी और बहुवचन शब्द लिखो

शब्द	समानार्थी	विरूध्यार्थी	बहुवचन
कम	अल्प	बहुत	—
दिन	दिवस	रात	दिनों
परीक्षा	इम्तिहान	—	परीक्षाएँ
गलती	—	सही	गलतियाँ
लड़की	—	लड़का	लड़कियाँ
सूखा	शुष्क	गीला	सूखे
फूल	पुष्प, सुमन	काँटे	—
सुंदर	खूबसूरत	बदसूरत	—
रोगी	रोगग्रस्त	तंदुरुस्त	मरीजों
किताब	पुस्तक	—	किताबें
बूढ़ा	वृद्ध	जवान	बूढ़े
बुरा	खराब	अच्छा	बुरे
निरक्षर	अनपढ़	साक्षर	निरक्षरों
परिचित	पहचाना	अपरिचित	परिचितों
परिश्रमी	मेहनती	आलसी	प —

ग	भ	प	ज्या	प
क	री	ली	ह	न
हु	स	ब	मू	ग
नी	चा	हु	खु	क
र	रो	न	हा	थी

1) वह दिन है पर स्वामी मानी
2) खाना ज्यादा है।
3) कथा बहुत रोचक है।
4) पानी की बचत करो।
5) कल उनका देहांत हु

शब्दों के वाक्य बनाओ
शब्द → परीक्षा, लड़की, फूल, बकरी, क्योंकि, सुंदर
इसलिए, मधुर, सूखा, बहुत

1) परीक्षा → रामू परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ।
2) लड़की → मुन्नी लड़की का नाम है।
3) फूल → फूल सुवासीक होता है।
4) बकरी → बकरी दूध देती है।
5) क्योंकि → मैं पाठशाला आया नहीं क्योंकि मैं गया था।
6) सुंदर → तितली बहुत सुंदर होती है।
7) इसलिए → राजु ने मुझे मारा इसलिए मैंने राजू
8) मधुर → शहद बहुत मधुर होता है।
9) सूखा → कपड़ा सूखा है।
10) बहुत → उसके पास बहुत पैसा है।

नाम → ईशान रानडे
विषय → हिंदी
कक्षा → छठी

क्रियाविधियाँ

पाठशाला का नाम → कमला निंबकर बालभवन

* नीचे चौकोन में दिए अक्षरों को पढ़कर शब्द बनाकर पेन्सिल से गोल करो और ह्रस्व दीर्घ मात्रों की ~~कामल~~ कालम बनाकर तैयार किए शब्द मात्रानुसार लिखिए।

पहेली

य	कि	सा	न	खु	नु	म	के
दि	न	ख	श	शी	खी	फू	ल
पू	या	त्रु	न	सू	मु	क	कू
छ	रा	नी	हु	छे	पू	झे	द
क	हा	नी	ब	प्र	दू	ष	ण

य	कि	सा	न	खु	नु	म	के
दि	न	ख	श	शी	खी	फू	ल
पू	या	त्रु	न	सू	मु	क	कू
छ	रा	नी	हु	छे	पू	झे	द
क	हा	नी	ब	प्र	दू	ष	ण

उ	ऊ	ि	ी
शत्रु	सूखी	किसान	शनी
मुझे	कूद	यक्षी	कहानी
बहुत	फूल	दिया	सूखी
तुम	प्रदूषण	दिन	खुशी
खुशी	पूरा		
	पूछ		
	पूछे		

* शब्द -

खेश	शक्त	प्रदक्षण	परक्षा
नम	सखी	लडक	नच
कल	रोट	नदं	टटा
चोट	गुड़या	पत्नी	बढा

* उपर लिखे शब्दो में मात्रा का उपयोग करके अर्थपूर्ण नैयार करो

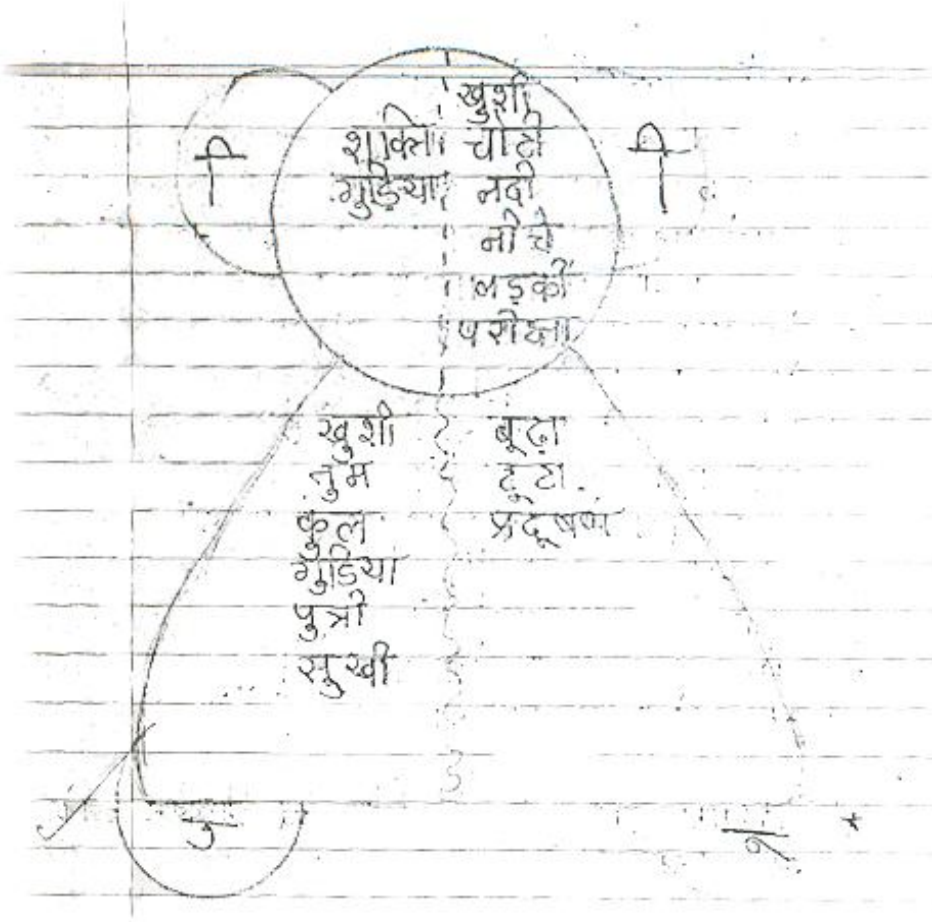
शाकिर
गुड़िया
खुशी
चोटी
नदी
नीचे
लड़की
परीक्षा
खुशी
तुम
कुल
गुड़िया
पुत्री
सुखी
बूढ़ा
टूटा
प्रदूषण

* शब्दों के वाक्य तैयार करो

1) मैं आज बहुत खुशी में हूँ।
2) तुम कब गाँव से आओगे।
3) हमारे पाठशाला मे कुल मिलाकर दो सौ बच्चे हैं।
4) मेरी बहन चोटी बांधती हैं।
5) मेरे शरीर मे बहुत शक्ति हैं।
6) मै बहुत सुखी हूँ।
7) मैंने आज डिब्बे मे रोटी लाई हैं।
8) मेरे पास गुड़िया हैं।
9) हामारे देश मे बहुत प्रदूषण होता हैं।
10) अश्विनी लडकी हैं।
11) नदी मे बहुत पानी हैं।
12) मेरी पुत्री बहुत होशियार हैं।
13) आज मेरी परिक्षा खतम हुई हैं।
परीक्षा

* दिखाया हुआ कार्ड पर लिखे शब्द लिखकर उनके समानआर्थी शब्द लिखो

1) ज्यादा = बहुत 6) इम्तिहान = परीक्षा

2) दुश्मन = शत्रु 7) रात = रजनी

3) पूर्ण = पूरा 8) पुष्प = फूल

4) कथा = कहानी 9) ताकत = शक्ति

5) निम्न = नीचे 10) वृध्द = बूढ़ा

Star

08+4 / 15 = 12/20 (2)

12/20

नाम = प्रियुंदरीजी भगवान थोरात
कमला निंबकर लाल भाग
कक्षा = 6वी
विषय = हिंदी

प्रश्न 1 उच्चारित किए हुये शब्द लिखिये।

(1) निम्न लिखित	(11) बैठिये
(2) चाहिए	(12) जिये
(3) क्यों की	(13) हूँ
(4) इसलिए	(14) कीजिए
(5) दीजिये	(15) बहुत
(6) परन्तु	(16) दूर
(7) नहीं	= 08
(8) लेकिन	
(9) फूल	
(10) सुंदर	

प्रश्न 2 वाक्य लिखिये

1 (i) आज मेरी परीक्षा है।

1 (2) मुझे लड्डू पसंद है।

½ (3) मैंने फूलों के पौधे लगाये हैं।

½ (4) मैंने कहानी की किताब पूरी पढ़ी है।

1 (5) मेरा मित्र राहुल अच्छा है।

= 04

13+4 = 17/20

15 (9)

प्रश्न 1 अर्थ सहित लिखिए

(1) निम्नलिखित	(13) हूँ
(2) चाहिए	(14) लीजिए
(3) क्योंकि	(15) बहुत
(4) इसलिए	(16) दूर
(5) दीजिए	
(6) परंतु	
(7) ~~लेकिन~~ लेकिन	
(8) नहीं	
(9) फूल	
(10) सुंदर	
(11) बैठो, बैठो	
(12) नीचे	

= 13

प्रश्न ② वाक्य लिखिये

परीक्षा Exam

½ ① आज मेरी परिक्षा है।

1 ② मुझे लड्डू पसंद है।

1 ③ मैंने फूलों के पौधे लगाये है।

½ ④ मैंने कहानी की किताब पुरी पढ़ी है।

1 ⑤ मेरा मित्र बहुत अच्छा है

=04

(3) $\frac{12+5}{15} = \frac{17}{20}$

कमलेश दीपक गुंजवटे

हिंदी - कक्षा छठी | विषय हिंदी

उत्तर कसौटी परीक्षा

प्रश्न 1अ अव्यारित किये हुए शब्द लीखिये :— (कोई भी 15) (15)

0 ✓ निम्नलिखित — निम्नलिखित
1 ✓ चाहिए
0 ✓ क्योंकी — क्योंकि
1 ✓ इसलिए
1 ✓ दीजिए
1 ✓ कीजिए
1 ✓ लीजिए
1 ✓ परंतु
1 ✓ लेकिन
0 ✓ नहि — नही
1 ✓ फूल
1 ✓ सुंदर
1 ✓ बैठिए
1 ✓ नीचे
0 ✓ दूर — दूर
1 ✓ हूं

= (12)

प्रश्न २	वाक्य लिखो
19	आज मेरी हैं परीक्षा हैं।
12	मुझे लड्डू पसंद हैं।
13	मैंने फूलों के पौधे लगाये।
14	मैंने कहानी के किताब पूरी पढ़ी हैं।
15	मेरा मित बहुत अच्छा हैं

=5

[illegible] वर्णात्मक
कक्षा 6वी
हिंदी
[illegible] बाए बातर

प्र. दी गई हुयी वर्णमाला से शब्द बनाकर लिखे दिये हुये क्रमानुसार शब्द लिखिए

य	की	सा	ने
दि	न	ख	श
मु	या	मू	ल
ब	रा	नी	ह
क	हा	नी	ब

खु	नु	म	खे
शी	खी	कु	प
मु	मू	क	कु
के	मू	से	ट
प्र	दु	ष	ण

0	2	4	7
शत्रु शत्रु	बूढ़ा	किसान	कहानी
बहुत	पूछे	यदि	रानी
खुशी	मुर्गी	दिया	खुशी
मुम	[illegible]	दन	मुर्गी
मुसे	कुद		←
	कुये		

	शब्द	शक्ति		
	खुशी	शक्ति	प्रदूषण	परिक्षा परीक्षा
तुम	तुम	सुखी	लड़की	नीचे
	किस	रोटी	नदी	टूटा
	बोतल	गुड़िया	फुसी	बूढ़ा

उपर लिखे शब्दो में मात्रा का उपयोग करके अर्थ पूर्ण शब्द तयार लिखो कर

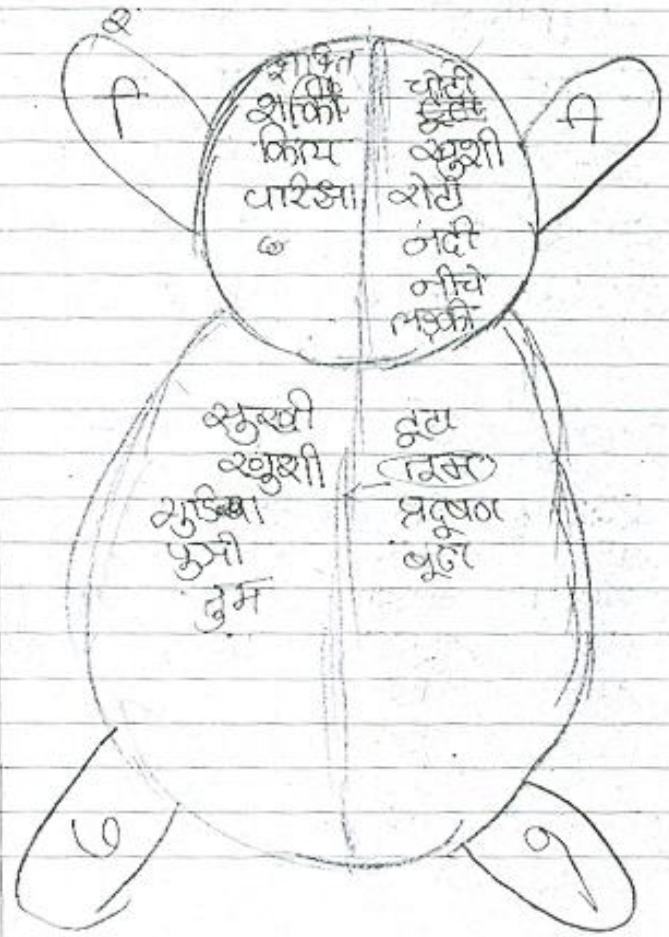

1) आज मेरा खुशी का दिन है।

2) तुम बहुत अच्छी हो।

फिल लोहेकी होती है।

मैंने नकाशी चोटि बनाई।

अर्जुन के पास बहुत शक्ति थी।

मैं बहुत सुखी हूँ।

मैंने रोटियाँ बनाई।

मैंने नयी गुड़िया (Doll) लाई।

उन लोगो ने प्रदूषण किया

वह लड़की गिर गई

हमारे घर के पास नदी है

वो उसकी पुत्री है।

मैं परीक्षा (Exam) में पास हो गई

नीचे खाबुल है।

वहा का धूप तेज

मेरे दादाजी बहुत बूढ़े है।

प्र०उ०सा) दिखाए हुए कोष्ठक में लिखे शब्द लिखकर उनके समान अर्थी शब्द लिखो।

1) ज्यादा = बहुत
2) दुश्मन = शत्रु
3) पूर्ण = पूरा
4) कथा = कहानी
5) इम्तिहान = परीक्षा
6) रात = रजनी
7) पुष्प = फूल
8) ताकत = शक्ति
9) निम्न = नी
10) बुद्ध = बु

Good

पूरा कीजिए :-

1) साक्षी
2)
3)
4)
5)

प्रश्न② वाक्य लिखिये

½ ① आज मेरी परीक्षा है। परीक्षा Exam

1 ② मुझे लड्डू पसंद है।

1 ③ मैंने फूलों के पौधे लगाये है।

½ ④ मैंने कहानी की किताब पुरी पढ़ी है।

1 ⑤ मेरा मित्र बहुत अच्छा है

04

13+4 = 17/20

15 (9)

प्रश्न 3 अर्थ सहित दो शब्द लिखिए

(1) निम्नलिखित	(13) दूँ
(2) चाहिए	(14) कीजिए
(3) क्योंकि	(15) बहुत
(4) इसलिए	(16) दूर
(5) दीजिए	
(6) परंतु	= 13
(7) ~~लेकिन~~ लेकिन	
(8) नहीं	
(9) फूल	
(10) सुंदर	
(11) बैठो ये	
(12) नीचे	

कार्ड - 1

एकवचन शब्दों के बहुवचन

बाएँ, अनुसार बहुवचन
लिखें बनाओ -

	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन ?
१	गाड़ी	गाड़ियाँ	१	साड़ी	?
२	लड़की	लड़कियाँ	२	मकड़ी	?
३	जोड़ी	जोड़ियाँ	३	रोटी	?
४	दुकान	दुकानें	४	बोतल	?
५	बँगला	बँगलें	५	बंदूक	?
६	मटका	मटकें	६	फाँक	
७	कविता	कविताएँ	७	महिला	
८	माला	मालाएँ			
९	आँख	आँखें			

नियम →

→

उच्चारित किए गए शब्दों को गोल कीजिए–

परिशिष्ट 26 आ-4

दिन सूखी आदी

सुखी दीन कुल

कूल

आदि बूरा

बुरा दिया

दीया

शब्द

परक्षा	खश	सखी	लड़क
रोट	कल	महना	इसलए
क्योंक	परंत	बहत	यद

ऊपर लिखे शब्दों में मात्रा का उपयोग कर अर्थपूर्ण शब्द तैयार कर दिखाई मात्रानुसार फूल में लिखिए- व शब्दों के वाक्य भी बनाओ :-

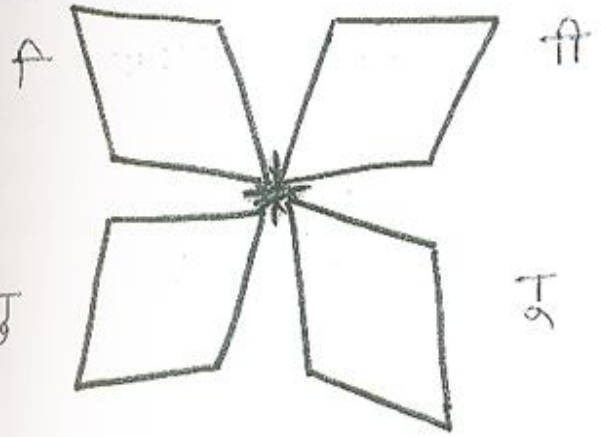

अगर न होते हाथ

अगर हमारे हाथ न होते
तो हम तुम क्या करते ?
कैसे फूल तोड़ते, तितली,
पकड़-पकड़कर लाते ?

कैसे कलम उठाकर अपनी
कॉपी पर लिख पाते ?
कैसे हम कमरे में मोटर
-चाबीदार चलाते ?

कैसे रसगुल्ले चम्मच से
उठा उठाकर खाते ?
अगर हमारे हाथ न होते
तो सचमुच हम क्या करते ?

हम बकरी की तरह वनों में
घास-पत्तियाँ चरते-फिरते ।

प्रश्न -

1) नीचे दिए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए :
(i) फूल (ii) हाथ (iii) वन

2) बहुवचन लिखो-
(i) तितली (ii) कमरा (iii) बकरी

3) विरुद्धार्थी शब्द
(i) हमारे (ii) पकड़ना (iii) सचमुच

प्र.4 कविता में आए हायफनवाले शब्द लिखिए -

प्र.5 दो कॉलम बनाकर ए की 'ऽ', 'ऽऽ' मात्रा वाले शब्द लिखो

ऽ	ऽऽ

प्र.6 उच्चारित किए शब्द कविता में गोल करो - (i) रसगुल्ले (ii) चम्मच (iii) पत्तियाँ (iv) पकड़-पकड़कर (v) फूल

पहेली कार्ड - 5

कार्ड क्र. 5

ग	भ	पू	प्या
क	री	री	छे
हा	मि	ब	मृ
नी	र्ची	हु	त्यु
र	री	त	हाँ

पहेली से वर्णों को जोड़कर अर्थपूर्ण शब्द तैयार करो और प्र.1 में मात्रा के कॉलम अनुसार तैयार किया शब्द लिखो।

प्र.1

ि	ी	ु	ू	े	ै
मिर्ची	नीर	- बहुत	पूछे		

प्र.2 नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर अधोरेखित शब्द का समानार्थी शब्द उपरोक्त पहेली से ढूँढ़कर उसे गोल कर लिखो.

1) वह दीन है पर स्वाभिमानी भी। (उत्तर-गरीब)

2) अरे यह खाना ज्यादा है।

3) यह कथा बहुत रोचक है। (4) यह पुरानी परंपरा है।